

साँचा है तेरा दरबार ओ मैया शेरोवाली भजन लिरिक्स



साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली,
ऊँचे ऊँचे पर्वत वाली,
सचियाँ सचियाँ ज्योतावाली,
तू ही दुर्गा तू ही काली,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली lbd।

तर्ज - छोड़ेंगे ना हम तेरा द्वार।

चण्ड और मुण्ड ने स्वर्ग को घेरा,
और उत्पात मचाया,
देवता सारे शरण में आए,
मैया तुमको मनाया,
रौद्र रूप माँ तुमने धारा,
चण्ड और मुण्ड को तुमने मारा,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली lbd।

गोरा रूप में शिव शंकर के,
वाम अंग तुम आई,
लक्ष्मी बनकर विष्णु जी के,
संग में तुम ही सुहाई,
ब्रह्माणी बन भक्तों को तारा,
भव सागर से पार उतारा,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली lbd।

वैष्णो रूप में श्रीधर पंडित,
तुमने पार लगाया,
पापी भैरव का पाप बड़ा जब,
तुमने मार गिराया,
पापी को माँ मार गिराए,
भक्त जनों पे प्यार लुटाए,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली lbd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कंजक रूप में मेरे घर में,
शेरोवाली आना,
हलवा चने का मेरे हाथों,
मैया भोग लगाना,
लाल चुनरियाँ तुम को ओढ़ाऊँ,
रात और दिन गुण गान मैं गाऊँ,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली Ibd।

साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली,
ऊँचे ऊँचे पर्वत वाली,
सचियाँ सचियाँ ज्योतावाली,
तू ही दुर्गा तू ही काली,
साँचा है तेरा दरबार,
ओ मैया शेरोवाली Ibd।

Singer – Rakesh Kala